दीक्षांत समारोह | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के ओपन एयर थिएटर में कार्यक्रम, पूर्व राष्ट्रपति ने अनुभव साझा किए

अपने विजन से डॉ. कलाम इंजीनियरों को बता गए सफलता की डगर

» कंप्यूटर साइंस, नैनो टेक्नोलॉजी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तकनीक के क्षेत्र में नई खोज करने के लिए प्रेरित किया

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम युवा इंजीनियरों को सफलता की डगर के बारे में बता गए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद यह विचार लेकर आगे बढ़ना चाहिए कि वे ऐसा क्या करें कि पूरी दुनिया उन्हें याद रखे। उन्होंने इसके लिए विद्यार्थियों को उदाहरण भी दिए।

डॉ. कलाम ने कहा कि ग्राहम बेल को टेलीफोन के अविष्कार के लिए याद किया जाता है। इसी तरह विद्यार्थियों को भी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए कि वे क्या नई खोज करें कि पूरी दुनिया उनकी खोज के माध्यम से उन्हें याद रखे। उन्होंने कहा कि युवा इंजीनियर को अपने जीवन में आने वाली हर समस्या को हराकर निरंतर आगे बढ़ना होगा। युवाओं को नई खोज से देश की प्रगति में अपना योगदान देना होगा। डॉ. कलाम गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के ओपन एयर थिएटर में संस्थान के 12वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के भावी इंजीनियर ने चार पांच साल में अपने संस्थान में रहकर किताबी ज्ञान अर्जित किया, अब सभी इंजीनियर फील्ड में जाकर एक नए जीवन की शुरुआत करेंगे। इस नए जीवन में युवाओं को अपने इन चार साल के किताबी ज्ञान को व्यवहारिक ज्ञान में उपयोग करना होगा। सभी युवाओं को फील्ड में जाकर अपना मिशन निर्धारित करना होगा।

संबंधित खबर पढ़ें-पेज 4

कुरुक्षेत्र निट में आयोजित 12वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम।

विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

दीक्षांत समारोह के अंत में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई कि मैं अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करूंगा। अच्छा शिक्षक बनूंगा और जीवन में आने वाली हर कठिनाई को हराकर आगे बढ़ूंगा, जीवन में कोई भी समस्या मुझे हरा नहीं पाएगी। मैं पानी बचाने, वेस्ट मैनेजमेंट, पर्यावरण, एप्लीकेशन ऑफ साइंस को लेकर काम करूंगा और हमेशा अपने दिल में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान रखूंगा और राष्ट्र की तरक्की के लिए काम करूंगा।

गाउन परंपरा को बदलें

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा कि दीक्षांत समारोह में हम सभी ने जिस गाउन को पहन रखा है, वह ब्रिटिश लोगों की शुरू की परंपरा है। हमें इसमें बदलाव करना चाहिए और अपना परिधान बनाना चाहिए। ताकि इसके लिए हमें याद किया जा सके। उन्होंने कंप्यूटर साइंस, नैनो टेक्नोलॉजी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तकनीक के क्षेत्र में नई खोज करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा इंजीनियर को अब फील्ड में जाकर नई तकनीक का प्रयोग करके देश की प्रगति के लिए अच्छे प्रोजेक्ट पर काम करना होगा। ताकि इन प्रोजेक्ट के माध्यम से देश में विभिन्न उत्पादों की मांग को पूरा किया जा सके। युवा पीढ़ी को नया इतिहास लिखने के लिए अपनी कलम से कम से कम एक नया पन्ना लिखना चाहिए। जब नई पीढ़ी इतिहास का नया पन्ना लिखेगी, तो निश्चित ही समाज में नई तकनीक व नई खोज से परिवर्तन आएगा। देश का भविष्य भावी पीढ़ी को अपने हाथों से लिखना होगा। इसके लिए सभी को मेहनत ईमानदारी के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच रखनी होगी।

सभी ने किया सम्मान

पूर्व राष्ट्रपति के संबोधन के बाद सभागार में बैठे सभी लोगों ने खड़े होकर और तालियां बजाकर उनका सम्मान किया। अपना भाषण शुरू करने से पहले डॉ. कलाम ने कहा कि वे विद्यार्थियों के लिए 15 पेज तैयार करके लाए हैं, लेकिन समय की कमी को देखते हुए वे इन्हें पूरा नहीं पढ़ेंगे। इसपर विद्यार्थियों ने एकजुट होकर सभी पेज पढ़ने को कहा। जिसपर डॉ. कलाम ने कहा कि आप लोगों में बहुत धैर्य है। आखिर में उन्होंने निट निदेशक को लाइब्रेरी के लिए किताबें भी भेंट की।

डॉ. कलाम का विजन क्रिएटिव : प्रो. फिलिप

निट के डीन प्रो. पीजे फिलिप ने बताया कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के पूरे भाषण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के विजन को क्रिएटिव बनाने की बात की। उन्होंने कहा कि ग्राहम बेल के उदाहरण से वे विद्यार्थियों को भीड़ में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए काम करने को कहा। प्रो. फिलिप ने कहा कि उनका भाषण विद्यार्थियों में ऊर्जा भरने वाला था। साथ ही उन्होंने नया इतिहास लिखने का जिक्र करके विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य को लिखकर निर्धारित करने को कहा। ताकि वे अपने लक्ष्य से भटकें नहीं और उसपर आगे बढ़ते रहें।